भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 106

उत्तर देने की तारीख 01 दिसंबर, 2025

सोमवार, 10 अग्रहायण, 1947 (शक)

मेगा कौशल विकास केंद्र

106. श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः **सुश्री कंगना रनौतः**
श्री दामोदर अग्रवालः **श्री अरुण गोविलः**

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मेरठ, साबरकांठा मंडी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों और राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में अब तक युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित कौशल विकास केंद्रों की कुल संख्या कितनी है तथा केंद्रवार एवं वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं की वर्ष-वार और केंद्र-वार संख्या कितनी है तथा कितने प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार या स्व-रोजगार के अवसर प्राप्त हुए;

(ग) क्या सरकार का उक्त निर्वाचन क्षेत्रों और भीलवाड़ा में स्थानीय उद्योगों की मांग के अनुरूप कोई विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का विभिन्न जिलों में, जिनमें मेरठ, साबरकांठा, मंडी तथा भीलवाड़ा शामिल हैं, कोई "मेगा कौशल विकास केंद्र" स्थापित करने का प्रस्ताव है; और

(च) यदि हों, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (च): भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (सिम) के तहत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न योजनाओं अर्थात, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत मेरठ, साबरकांठा, मंडी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों और राजस्थान के भीलवाड़ा जिले सहित देश भर में समाज के सभी वर्गों के लिए कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल, पुनः कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। कौशल भारत मिशन

(सिम) का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार होने और उद्योग से संबंधित कौशल से सुसज्जित करने में सक्षम बनाना है। मेरठ, साबरकांठा, मंडी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों और राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में इन योजनाओं के तहत प्रशिक्षण केंद्रों की कुल संख्या नीचे दी गई है:

योजनाएं	**केंद्रों की संख्या**			
	मेरठ	साबरकांठा	मंडी	भीलवाड़ा
पीएमकेवीवाई 4.0	65	7	15	25
एनएपीएस*	318	529	222	72
जेएसएस	--	01	01	--
सीटीएस^	65	17	73	30

*डेटा एनएपीएस योजना में प्रतिष्ठानों की संख्या का है।

^ डेटा सीटीएस योजना में आईटीआई (सरकारी और निजी) की संख्या का है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान मेरठ, साबरकांठा, मंडी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों और राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या **अनुबंध-I** में दी गई है।

इसके अलावा, कौशल विकास के लिए एमएसडीई की योजनाएं मांग आधारित हैं और प्रशिक्षण केंद्र जरूरत के आधार पर स्थापित किए जाते हैं। सरकार स्थानीय उद्योगों से उत्पन्न होने वाली कौशल आवश्यकताओं की लगातार समीक्षा करती है और मांग के अनुसार विभिन्न योजनाओं के तहत विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए जाते हैं। सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित जिला कौशल समितियों (डीएससी) को जमीनी स्तर पर कौशल विकास और कार्यान्वयन के लिए विकेन्द्रीकृत योजना को बढ़ावा देने के लिए जिला कौशल विकास योजनाएं (डीएसडीपी) तैयार करने का काम सौंपा गया है। डीएसडीपी जिले में रोजगार के अवसरों के साथ-साथ कौशल की संबंधित मांग वाले क्षेत्रों की पहचान करते हैं और कौशल प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध सुविधाओं का मानचित्रण करते हैं। सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में पहचानी गई कौशल कमियों को दूर करने के लिए अभिकल्पित और कार्यान्वित किए गए हैं। उद्योग जगत के अग्रणियों के नेतृत्व में 36 क्षेत्र कौशल परिषदों (एसएससी) को संबंधित क्षेत्रों की कौशल विकास आवश्यकताओं की पहचान करने के साथ-साथ कौशल योग्यता मानकों को निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। एसएससी समय-समय पर कौशल अंतर अध्ययन आयोजित करते हैं जो आवश्यक कौशल के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। इस तरह के अध्ययन उद्योग की जरूरतों के अनुसार कार्यबल तैयार करने के लिए सरकार के हस्तक्षेप का मार्गदर्शन करते हैं।

मेरठ, साबरकांठा और मंडी तथा भीलवाड़ा सहित कई अन्य जिलों में मेगा कौशल विकास केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

अनुबंध-I

लोक सभा दिनांक 01.12.2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 106 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

	वर्ष	पीएमकेवीवाई	जेएसएस	एनएपीएस	सीटीएस
मेरठ	2022-23	582	--	1963	8179
	2023-24	2741	--	1710	9559
	2024-25	13567	--	1600	7990
साबरकांठा	2022-23	74	2700	1529	2782
	2023-24	664	1800	1522	3260
	2024-25	945	1800	1434	2773
मंडी	2022-23	1969	2520	1063	6698
	2023-24	2254	1680	1185	6949
	2024-25	7270	1632	1127	5635
भीलवाड़ा	2022-23	360	--	85	2201
	2023-24	1224	--	534	2210
	2024-25	5101	--	977	1903

*****